>

Title: Need to give Scheduled Caste status to some other backward classes in Uttar Pradesh.

श्री तूफानी सरोज (मछलीशहर): सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश में अति पिछड़े वर्ग में सूचीबद्ध कुछ जातियों की ओर दिलाना चाहता हूं, जिनकी आर्थिक, शैक्षणिक और राजनैतिक स्थिति दलितों से भी बदतर है। अति पिछड़े वर्ग में आने वाली राजभर, निषाद, बिंद, मल्लाह और प्रजापति सहित कुल 17 जातियां शामिल हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन जातियों को चिन्हित कर अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने के लिए केन्द्र सरकार को दूसरी बार प्रस्ताव भेजा है जो काफी समय से केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन है। अत: आपके माध्यम से हमारी मांग है कि केन्द्र सरकार संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करवाकर उपरोक्त जातियों को जल्द से जल्द अनुसूचित जाति का दर्जा देने के लिए कदम उठाए ताकि उपरोक्त अति पिछड़ी जातियां प्रगति कर सकें।

मैं आपका ध्यान इस ओर भी आकर्षित करना चाहता हूं कि मौजूदा स्थिति में अनुसूचित जातियों की संख्या काफी बढ़ी है। इसलिए उनके लिए 21 प्रतिशत रिजर्वेशन का जो नियम बनाया गया है, उसे बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत किया जाना चाहिए। मेरी आसन से यह मांग है।